से बच सकें। यही मुख्य विषय है जिसका इस विशेष उल्लेख के जरिए मैं सदन का ध्यान आकर्षित करता हूं।

Beat5ns up of Sink Weavers by U.P. Handloom Corporation Officials in Varanasi

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, उत्तर प्रदेश में आजकल बुनकर दुश्मनी और अफसराशाही इतनी बढ़ी हुई है कि गरीब बुनकर व जनता का जीना दूभर हो गया है। इसकी ताजा मिसाल बनारस शहर में 22 नवम्बर को यू०पी० हैंडलूम कार्पोरेशन सिल्क प्रोजेक्ट के आफिसर और दूसरे भ्रष्ट बदनाम कर्मचारियों के द्वारा बेगुनाह बुनकर जो दुनिया भर में अपनी कारीगरी के लिए मशहूर हैं आज रेशम की गिरानी की वजह से एक एक धागे के मोहताज हैं। बिला किसी इश्तियाल के लाठी, डंडे और लोहे सरियों से पिटाई की वारदात है। यह अपने में इतना घिनौना जुर्म है जिसकी न सिर्फ निंदा की जानी चाहिए बल्कि कसूरवार पाए जाने वाले कर्मचारियों को फौरन बर्खास्त कर देना चाहिए ताकि फिर किसी को कानून अपने हाथ में लेने की हिम्मत न हो सके।

महोदय, भारत सरकार ने जो रेशम आपात्काल की हालत में आयात किया था उसके कार्ड व साड़ी खरीदारी के संबंध में बेचारे गरीब बुनकर उपरोक्त प्रोजेक्ट आफिसर से मिलने गए थे जिनको जी भर कर मारा और पीटा गया। महोदय, केन्द्रीय सरकार यू.पी. हथकरघा निगम और यूपिका, दोनों संस्थाओं को करोड़-करोड़ रुपया अनुदान सबसिडी वगैरह इमदाद बुनकरों को सहायता के लिए देती है, मगर इसका फायदा गरीब बुनकरों को न मिल कर अफसरों और कर्मचारियों की साजिश से इन्हीं के अपने रिश्तेनातेदारों को मिल रहा है। इस तरह सरकार द्वारा अच्छी नीयत से चलाई गई परियोजनाओं का दुरुपयोग हो रहा है, जिसकी रोकथाम बहुत जरूरी है। मेरी आपके द्वारा मांग है कि यूपिका, यू.पी. हथकरघा निगम को जो भी मदद केन्द्र सरकार से मिलती है वह फिलहाल रोक दी जाए। मान्यवर, मैं आपके मार्फत से यह कहना चाहता हूं कि ऐसे तमाम यू.पी. हथकरघा निगम व यूपिका के भ्रष्ट, बेईमान और रिश्वत खोर जालिम गुंडे अफसरों के खिलाफ सी.बी.आई. के द्वारा भ्रष्टाचार की जांच करा कर कड़ी सजा दी जाए। मान्यवर, इस उपलक्ष्य में मैं यह भी बतलाना चाहूंगा कि यू.पी हथकरघा निगम और यूपिका कन्ट्रोल क्लाथ, जनता धोतियां जो सिर्फ गरीबों के लिए तैयार होती हैं वह उनको न मिल कर दलालों, एजेंटो के जरिए ब्लैक होकर मथरा, कानपुर, उन्नाव, फर्रुखाबाद वगैरह जगहों पर नाजायज तौर से भेजी जा रही हैं। मेरी मांग है कि जनता धोती और दूसरे कन्ट्रोल क्लाथ को इशेंशियल कमोडिटीज एक्ट के तहत और सूत व रेशम की जखीरांदोजी करने वालों के खिलाफ एक्ट बनाया जाए ताकि इस तरह की गलत बिक्री व मुनाफाखोरी पर रोकथाम हो सके।

महोदय, मेरे तीन सुझाव फिलहाल और हैं। पहला यह है कि रेशम सिल्क की कीमत 20/22 वगैरह डीनिया का दाम फी किलो 750 रुपया से बढ़कर 1250 रुपया फी किलो हो गया। रेशमी साड़ी सनत महंगाई से तबाह व बर्बाद हो रही है। केन्द्रीय सरकार इस रेशमी साड़ी की अजीज सनत को रेशम इंपोर्ट करके उसी दाम पर (750/- रु०) बुनकरों को मुहैया करे। यह केन्द्र और प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है। दूसरा, इन संस्थाओं को बदउनवानी से बचने के लिए जो पुराने कार्ड वाराणसी, मुबारकपुर, मऊनाथभंजन, गोरखपुर व मेरठ वगैरह में सूत और रेशम बिक्री व कपड़ा खरीदारी के लिए कार्ड बनाए गए हैं जो जाली हैं उनको खत्म करके फिर से सर्वे कराकर नए कार्ड बनाए जाएं। तीसरा, यूपिका और यू.पी. हथकरघा निगम में आने से पहले जो अधिकारी किसी पद पर कानपुर में

[श्री मुहम्मद अमीन अंसारी]

रह रहे थे उनका तबादला तुरन्त हथकरघा निगम और यूपिका से होना चाहिए, क्योंकि वहां की राजनीति और गुंडा पालने में उनकी अपनी मिसाल है और बदउनवानियों का बोलबाला है।

मेरे पास बहुत से अखबारों की कटिंग है लेकिन समय आप हमें कम देंगे, मेरे पास वाराणसी के जागरण, स्वतंत्र भारत, आज, जनवार्ता और आवाज़ मुल्क वगैरह अखबारात की कटिंग्ज़ हैं जो कि मैं आपकी खिदमत में भेज रहा हूं। मैं इंसाफ का मतालबा करना चाहता हूं। अमीन, अमीन सारे उत्तर प्रदेश में साढ़े छः लाख हथकरघा हैं और 90 हजार के करीब पावरलूम हैं जिनमें 20–25 लाख लोगों की जीविका चलती है जिन पर ये जुल्म और ज्यादतियां ढाई जा रही हैं। मान्यवर, मैं आपके द्वारा इंसाफ चाहता हूं और चाहता हूं कि जिन लोगों ने ज्यादतियां और बदउनवानियां की हैं उनको कड़ी सजा दी जाए। इसकी मेरी आपसे मांग है और इसकी गुजारिश करता हूं। क्या मैं इन कटिंग्ज़ को दे सकता हूं?

उपसभाध्यक्ष (श्री बी. सत्यनारायण रेड्डी) : आप उनको भेज दीजिए। यहां भेजने की जरूरत नहीं है आप उन्हें संबंधित मंत्रालय को भेज दीजिए।

†[شری محمد امین انصاری (اتر پردیش): مہودے - اتر پردیش میں آجکل بنکر دشمنی اور افسر شاہی اتنی بڑھی ہوئی ہے کہ غریب بنکر اور جنتا کا جینا دوبھر ہو گیا ہے - اسکی تازہ مثال بنارس شہر میں ۲۲ نومبر کو یو- پی- ہینڈلوم کارپوریشن سلک پروجیکٹ کے آفیسر اور دوسرے بھرشٹ بدنام کرمچاریوں کے دوارا بھگناتھ بنکر جو دنیا بھر میں اپنی کاریگری کیلئے مشہور ہیں آپ ریشم کی گرانی کی وجہ سے ایک ایک دھاگے کیلئے محتاج ہیں بنا کسی اشتعال کے لاٹھی - ڈنڈے اور لوہے کے سریہ سے پٹائی کی واردات ہے - یہ اپنے آپ میں اتنا گھنونا جرم ہے جسکی نہ صرف نندا کی جانی چاہئے بلکہ قصوروار پائے جانے والے کرمچاریوں کو فوراً برخواست کر دینا چاہئے - تاکہ پھر کسی کو قانون کو اپنے ہاتھ میں لینے کی ہمت نہ ہوسکے -

مہودے - بھارت سرکار نے جو ریشم آیات کال کی حالت میں آیات کیا تھا اسکے کاڑہ و ساری خریداری کے معاملہ میں بے چارے غریب بنکر اپروکت پروجیکٹ آفیسر سے ملنے گئے تھے - جن کو جی بھر کا مارا اور پیٹا گیا - مہودے - کیندریہ سرکار یو - پی - ہینڈلوم نگم اور یوپیکا - دونوں سنستھاؤں کو کروڑوں کروڑ روپیہ انودان سبسڈی ریبیٹ وغیرہ امداد بنکروں کو سہائتا کیلئے دیتی ہے - مگر اسکا فائدہ غریب بنکر کو نہ ملکر افسروں اور کرمچاریوں کی سازش سے انہیں کے اپنے رشتہ ناطے داروں کو مل رہی ہے - اس طرح سرکار دوارا اچھی نیت سے چلائی گئی یوجناؤں کا دروپیوگ ہو رہا ہے - جسکی روک تھام بہت ضروری ہے - میری آپ کے دوارا مانگ ہے کہ یوپیکا - یو- پی-

†[ ]Transliteration in Arabic **Script.**

ہتھکرگھا نگم کو جو بھی مدد کیندر
سرکار سے ملتی ہے - وہ فی الحال
روک دی جائے - مانیور میں آپ کے
معرفت سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ
ایسے تمام یو - پی - ہتھکرگھا نگم و
یوپیکا کے بھرشٹ بے ایمان اور رشوت خور
ظالم غنڈے افسروں کے خلاف
سی - بی - آئی - کے دوارا بھرشٹاچار
کی جانچ کراکر کڑی سزا دی جائے -
مانیور - اس اپلکچھ میں میں یہ
بتلانا چاہونگا کہ یو - پی - ہتھکرگھا
نگم اور یوپیکا کنٹرول کلاتھ - جنتا
دھوتیاں جو صرف غریبوں کیلئے تیار
ہوتی ہیں وہ انکو نہ مل کر دلالوں -
ایجنٹوں کے ذریعے بلیک ہوکر متھرا -
کانپور اناؤ - فرخ آباد وغیرہ جگہوں
پر جاکر طور پر بیچی جا رہی ہیں -
میری مانگ ہے کہ جنتا دھوتی اور
دوسرے کنٹرول کلاتھ کو اسینشیل
کموڈٹیز ایکٹ کے تحت اور سوت و
ریشم کی ذخیرہ اندوزی کرنے والوں
کے خلاف ایکٹ بنایا جائے - تاکہ
اس طرح کی غلط بکری و منافع
خوری پر روک تھام ہو سکے -

مہودے میرے تین سجھاؤ
فی الحال اور ہیں - پہلا یہ ہے کہ
ریشم سلک کی قیمت ۱۰/۲۲ وغیرہ
قینیا کا دام فی کلو ۷۵۰ روپیہ سے
بڑھکر بارہ سو پچاس روپئے فی کلو
ہو گیا - ریشمی ساڑی صنعت
مہنگائی سے تباہ و برباد ہو رہی ہے -
کیندریہ سرکار اس ریشم سازی کی
عظیم صنعت کو ریشم اُپلبدھ کرکے
اسی دام پر ساڑھے سات سو روپیہ
بنکروں کو مہیا کرے - یہ کیندر اور
پردیش سرکار کی ذمہ داری ہے -
دوسرا ان سنستھاؤں کو بد عنوانی سے
بچانے کیلئے جو پرانے کارڈ وارانسی -
مبارکپور - مگوناتھ بھنجن - گورکھپور
و میرٹھ وغیرہ میں سوت اور ریشم
بکری و کپڑا خریداری کیلئے کارڈ
بنائے گئے تھے - جو جعلی ہیں
انکو ختم کرکے پھر سے سروے کراکر
نئے کارڈ بنائے جائیں - تیسرا یوپیکا
اور یو - پی - ہتھکرگھا نگم میں آنے
سے پہلے جو ادھیکاری کسی پد پر
کانپور میں وہ رہے تھے انکا تبادلہ
ترنت ہتھکرگھا نگم اور یوپیکا سے
ہونا چاہئے - کیونکہ وہاں کی
راج نیتی اور غنڈہ پالیسی میں انکی
اپنی مثال ہے اور بد عنوانیوں کا
بول بالا ہے -

میرے پاس بہت سے اخباروں
کی کٹنگ ہے لیکن سمے آپ ہمیں کم
دینگے - میرے پاس وارانسی کے جاگرن،
سوتنتر بھارت - آج - جن وادتا اور
آواز ملک - وغیرہ اخبارات کی کٹنگز
ہیں جو کہ میں آپکی خدمت میں
بھیج رہا ہوں - میں انصاف کا مطالبہ
کرنا چاہتا ہوں - آمین - امین
سارے اتر پردیش میں ساڑھے چھ
لاکھ ہتھکرگھا ہے نو ہزار کے قریب
پاور لوم ہیں - جنمیں بیس پچیس
لاکھ لوگوں کی جیویکا چلتی ہے -

جن پر یہ ظلم اور زیادتیاں ڈھائی جا رہی ہیں - مانیور میں آپ کے دوارا انصاف چاہتا ہوں اور چاہتا ہوں - کہ جن لوگوں نے زیادتیاں اور بد عنوانیاں کی ہیں انکو کڑی سزا دی جائے - اسکی میری آپ سے مانگ ہے - اور اسکی گزارش کرتا ہوں - کیا میں ان کوئسچنز کو دے سکتا ہوں -]

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी, मैं एसोसियेट करता हूं। यह बड़ा गंभीर मामला है। मैं बनारस के करीब का रहने वाला हूं, वहां बुनकरों के ऊपर बुरी तरह से लाठी चार्ज हुआ और सिल्क उद्योग का जो पूरी दुनियां में नाम है, वह बनारस के बुनकरों की वजह से है। अब उनके ऊपर ज्यादती हुई है, केन्द्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। मैं इस विशेष उल्लेख का पूरा समर्थन करता हूं, एसोसियेट करता हूं।

Need for introduction of Urdu News Bulletin on Doordarshan Daily

श्री मुहम्मद खलीलुर रहमान (आन्ध्र प्रदेश) : जनाब वाइस चेयरमेन साहब, उर्दू एक हिंदुस्तानी जुबान है और लाखों-करोड़ों लोग उर्दू बोलते हैं, उर्दू पढ़ते हैं और उर्दू लिखते हैं। यह जुबान पूरे मुल्क में बोली जाती है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और वेस्ट बंगाल में इस जुबान के बोलने वाले काबिले लिहाज तादाद में मौजूद हैं। चुनांचे इन्हीं रियासतों के जानिब से उर्दू की तरक्की, उर्दू की फरोग के लिए उर्दू अकादमी कायम की गई है। इससे भी वाजह सबूत मिलता है कि उर्दू बोलने वालों की इन रियासतों में काबिले लिहाज तादाद मौजूद है।

मौका हमारे पास जो गवनमेंट मीडिया है, खासतौर से दूरदर्शन, दूरदर्शन पर उर्दू को बिल्कुल नजरअंदाज कर दिया गया है। उर्दू बोलने वाले, उर्दू समझने वाले दूरदर्शन से जिस तरह से हस्तफादा हासिल करना चाहते हैं, यह हासिल नहीं कर रहे हैं। आज न तो दूरदर्शन से कोई उर्दू न्यूज बुलेटिन का इंतजाम किया गया है और न ही उर्दू प्रोग्रामों के लिए कोई काफी वक्त दिया जाता है। लिहाजा मेरी यह दरखास्त है मिनिस्टरी आफ इंफोरमेशन एण्ड ब्रोडकास्टिंग से इस स्पेशल मेंशन के जरिए कि फौरी दूरदर्शन पर नेशनल प्रोग्राम में एक उर्दू न्यूज बुलेटिन का इंतजाम करें। यह वक्त की एक अहम जरूरत है ताकि उर्दू बोलने, समझने वालों को सहूलियत हो। मुझे पूरी तवकोह है कि हुकूमते हिंद इस जानिब अपनी तवज्जोह मबजूल करते हुए यकीनन हमदरदाना दूरदर्शन से उर्दू बुलेटिन न सिर्फ करने का, दिखाए जाने का प्रोग्राम जल्दी से जल्दी शुरू करेगा।

†[شری خلیل الرحمان (آندھرا پردیش) : جناب وائس چیر مین صاحب اردو ایک ہندوستانی زبان ہے - اور کہیں کروڑوں لوگ اردو بولتے ہیں - اردو پڑھتے ہیں اور اردو لکھتے ہیں - یہ زبان پورے ملک میں بولی جاتی ہے - خاص طور پر اتر پردیش - بہار - آندھرا پردیش - مدھیہ پردیش - کرناٹک - مہا راشٹر - راجستھان - دلی ہریانہ اور ویسٹ بنگال میں اس زبان کے بولنے والے قابل لحاظ تعداد میں موجود ہیں- چنانچہ انہیں ریاستوں کی جانب سے اردو کی ترقی کیلئے- اردو کے فروغ کیلئے اردو اکادمی قائم کی گئی ہے - اس سے بھی واضح ثبوت ملتا ہے کہ اردو بولنے والوں کی ان ریاستوں میں قابل لحاظ تعداد موجود ہے -

† Transliteration in Arabic Script